प्रेस विज्ञप्ति

ओआरसी में हुआ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन

मातृशक्ति के द्वारा ही विश्व-परिवर्तन का कार्य संभव

योग से ही जीवन में प्रेम, शान्ति और आनन्द का संचार

7 मार्च 2018, गुरूग्राम

ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओम् शान्ति रिट्रीट सैन्टर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वैश्विक सुरक्षा में महिलाओं की भूमिका विषय पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में देश व दुनिया में अपनी योग्यता के बल से श्रेष्ठ कार्य करने वाली अनेक प्रतिष्ठित महिलाओं ने शिरकत की। कार्यक्रम का आयोजन कोस्टा रिका दूतावास एवं ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वाधान में हुआ। कार्यक्रम में अनेक एक्टीविटीज़ एवं कलाकृतियों के माध्यम से महिलाओं ने अपने विचार व्यक्त किये। **कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोस्टा रिका की राजदूत मरिएला क्रूज़ ने** कहा कि आज के कार्यक्रम का मूल उद्देश्य विश्व एकता एवं शान्ति की पुन:स्थापना है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता विश्व के प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। वर्तमान समय विश्व में बढ़ती हिंसा और अराजकता बहुत ही चिन्ता का विषय है। उन्होंने कहा कि योग ही एक ऐसा माध्यम है जो हमें पुन: शान्ति की ओर ले जा सकता है। योग से जीवन में प्रेम, शान्ति और आनन्द जैसे गुण जागृत होते हैं। योग वास्तव में सम्बन्धों को मधुर बनाता है। उन्होंने कहा कि मुझे इस स्थान पर आने से ही शान्ति के गहरे प्रकम्पन्न महसूस हुए जोकि योग से ही संभव हैं। **प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं वैज्ञानिक डा॰ वन्दना शिवा ने** कहा कि सम्पूर्ण प्रकृति एवं मानव चेतना का आपस में बहुत गहरा सम्बन्ध है। उन्होंने कहा कि आज हम लोभ के कारण प्रकृति से अधिक पैदावार लेने के लिए रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कर रहे हैं। वास्तव में ये भी एक बहुत बड़ी हिंसा है जिससे हम धरती के अनेक पौषक तत्वों को नष्ट करते हैं। जिस कारण ही मानव मन में भी हिंसा का जन्म हो रहा है। डा॰ शिवा ने कहा कि हमें आध्यात्मिक मूल्यों को जागृत कर स्वयं को सशक्त बनाने की बहुत आवश्यकता है। **मुम्बई से पधारी सुप्रसिद्ध अभिनेत्री दिव्या खोसला कुमार ने** अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अगर हम बाहर के संसार को परिवर्तन करना चाहते हैं तो पहले हमें अपने अन्दर के संसार को बदलना होगा। उन्होंने कहा कि जीवन में जिस तरह ऑक्सीजन बहुत जरूरी है ठीक उसी तरह आज के नकारात्मक वातावरण में बने रहने के लिए योग अति आवश्यक है। **अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली की प्रो॰ कृष्णा मेनन ने** कहा कि आध्यात्मिकता और धार्मिकता में रात-दिन का अन्तर है। आध्यात्मिकता आत्मा के वो गुण हैं जो जीवन को सुखद बनाते हैं। उन्होंने कहा कि हम केवल भौतिक शरीर मात्र नहीं हैं। इस शरीर को चलाने वाली ऊर्जा को समझना ही वास्तव में आध्यात्किता है। **जिन्दल ग्लोबल लॉ विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रो॰ कल्याणी उन्कुले ने** बताया कि विश्व में महिलाओं की जितनी सहभागिता बढ़ेगी उतना ही विश्व सुरक्षित रह सकता है। उन्होंने कहा कि हमें स्वयं की व लोगों की योग्यताओं पर विश्वास होना चाहिए। जितना हम दूसरों पर विश्वास करते हैं उतना ही उनसे अच्छा परिणाम प्राप्त होता है। **ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव बृजमोहन जी ने** कहा कि मैं हमेशा वन्दे मातरम कहता हूँ। उन्होंने कहा कि बिना माँ के तो जीवन संभव ही नहीं है। आज हम दुनिया में सशक्तिकरण की बात करते हैं लेकिन महिलाओं का संशक्तिकरण सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के संस्थापक ब्रह्माबाबा ने भी माताओं-बहनों को प्रशासनिक कार्यों में आगे किया। **ओआरसी की निदेशिका आशा दीदी ने** कहा कि नारी शक्ति के द्वारा ही विश्व परिवर्तन होगा। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने मातृशक्ति को प्रेम, दया, रहम और करूणा जैसे गुणों से सम्पन्न किया है। वर्तमान समय इन्हीं गुणों की सबको आवश्यकता है। **दिल्ली से पधारी चक्रधारी दीदी ने** कहा कि मूल स्वरूप में हम सभी आत्मा हैं। जब हम अपने आत्मिक स्वरूप का अनुभव करते हैं तो हमारी आन्तरिक शक्तियां जागृत

होती हैं। **कार्यक्रम में प्रसिद्ध कलाकार एवं अर्थ प्रोजक्ट के निदेशक मानव गुप्ता ने** पॉवर प्रेजेंटेशन के द्वारा अपनी कलाकृतियों का चित्रण किया। कार्यक्रम का संचालन बी॰ के॰ हुसैन ने किया।

<u>कैप्शन:</u>- 1. मरिएला क्रूज़, राजदूत, कोस्टा रिका
2. डा॰ वन्दना शिवा, सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद्
3. दिव्या खोसला, अभिनेत्री मुम्बई
4. प्रो॰ कृष्णा मेनन, अम्बेडकर विश्वविद्यालय
5. प्रो॰ कल्याणी उन्कुले, जिन्दल ग्लोबल विश्वविद्यालय
6. मानव गुप्ता, चित्रकार
7. आशा दीदी
8. चक्रधारी दीदी
9. बी ० के॰ बृजमोहन
10. दीप प्रज्ज्वलित करते हुए मरिएला क्रूज़, डा॰ वन्दना शिवा, प्रो॰ कृष्णा मेनन, दिव्या खोसला, आशा दीदी, चक्रधारी दीदी, प्रो॰ कल्याणी उन्कुले, मानव गुप्ता एवं अन्य।
11. मंचासीन मेहमान
12. कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं